चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 29 मई 2026, अंक –291.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

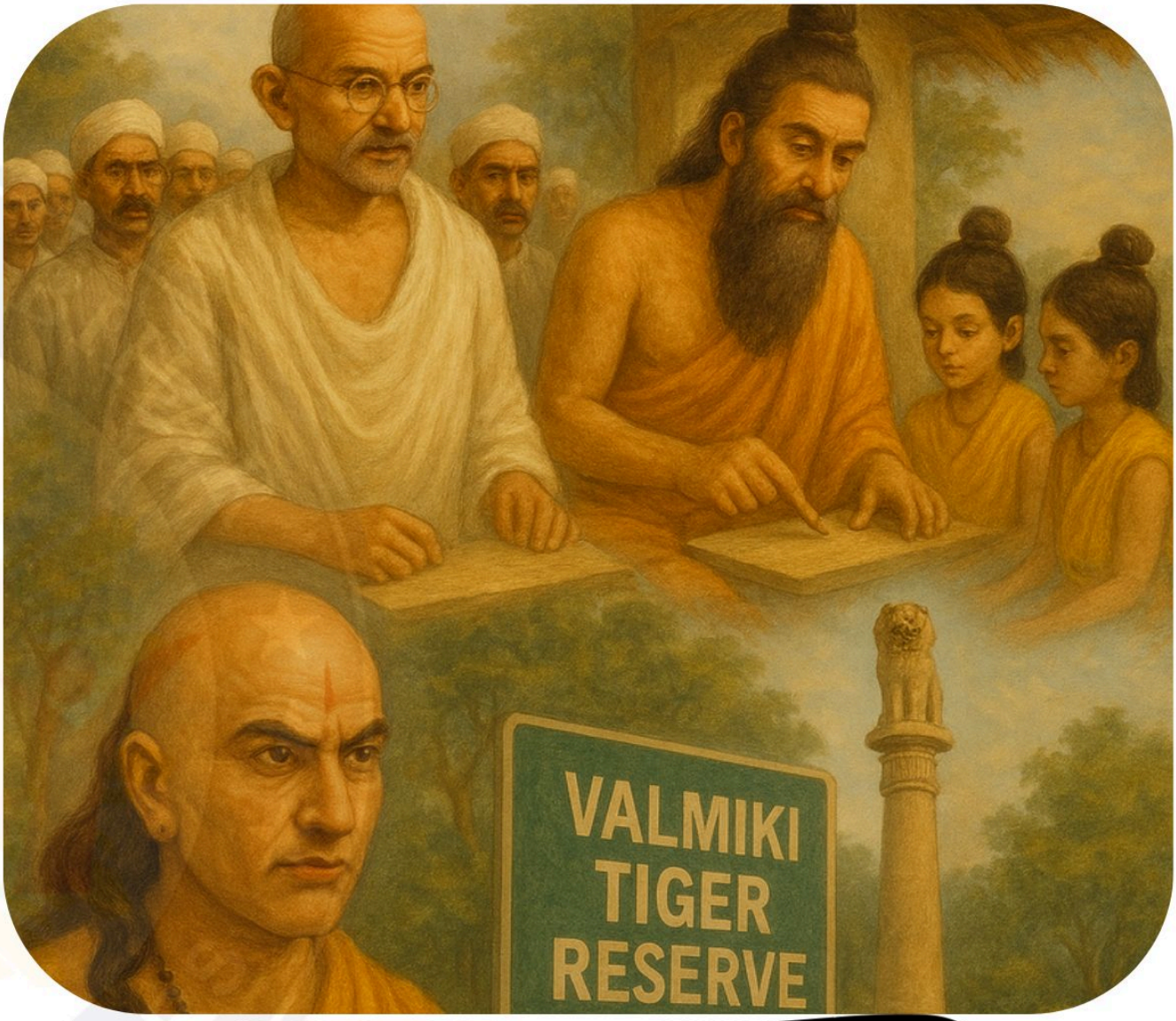

"सफलता का मुख्य आधार आत्मविश्वास है।"

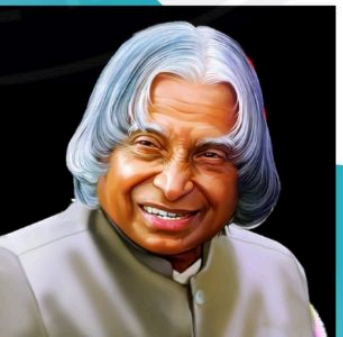

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्वीडन की राजधानी क्या है?
उत्तर: स्टॉकहोम
प्रश्न 2. भारत का राष्ट्रीय पशु कौन-सा है?
उत्तर: बाघ
प्रश्न 3. 'लई हराओबा' उत्सव किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: मणिपुर
प्रश्न 4. 12 और 8 का ल.स. (LCM) क्या होगा?
उत्तर: 24
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'गुरु गोविंद सिंह जी' का जन्म हुआ था?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. गिर वन किस पशु के लिए विश्व प्रसिद्ध है?
उत्तर: एशियाई सिंह
प्रश्न 7. कैमरा का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: जॉर्ज ईस्टमैन
प्रश्न 8. भारत के संविधान की प्रस्तावना में कितने आदर्श शब्द (Justice, Liberty, Equality, Fraternity) दिए गए हैं?
उत्तर: 4
प्रश्न 9. 'जो बहुत बोलता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: वाचाल
प्रश्न 10. मनुष्य के शरीर में कुल कितने दाँत होते हैं (वयस्क में)?
उत्तर: 32

संकलन:-

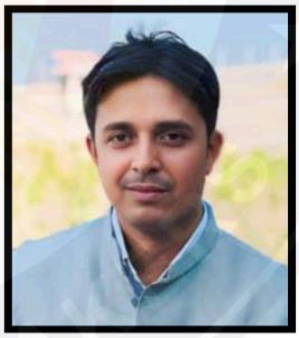

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Gymnasium – (जिमनेजियम) – व्यायामशाला
Coach – (कोच) – प्रशिक्षक
Player – (प्लेयर) – खिलाड़ी
Tournament – (टूर्नामेंट) – प्रतियोगिता
Medal – (मेडल) – पदक
Trophy – (ट्रॉफी) – ट्रॉफी
Champion – (चैम्पियन) – विजेता / चैंपियन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "हम ... नहीं करते/करती हैं" (We do not ...)

हम नहीं पढ़ते हैं। – We do not read.
हम नहीं लिखते हैं। – We do not write.
हम नहीं खेलते हैं। – We do not play.
हम खाना नहीं खाते हैं। – We do not eat food.
हम अंग्रेज़ी नहीं सीखते हैं। – We do not learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 29 मई को पर्वतारोहण के इतिहास में किस ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस
व्याख्या: 29 मई 1953 को नेपाल के तेनजिंग नोर्गे और न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी ने पहली बार माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल की थी। इस ऐतिहासिक दिन की याद में प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है। यह दिन मानव के साहस, दृढ़ संकल्प और पर्वतारोहण के क्षेत्र में वैश्विक गौरव का प्रतीक है।
संदर्भ: Ministry of Tourism and Civil Aviation (2026).

2. हाल ही में मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र की पर्यावरण संस्था द्वारा जारी 'वैश्विक जल संसाधन रिपोर्ट 2026' के अनुसार किस महाद्वीप में भूजल स्तर में सर्वाधिक गिरावट दर्ज की गई है? (समसामयिकी)
उत्तर: अफ़्रीका
व्याख्या: मई 2026 में जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और अत्यधिक दोहन के कारण अफ़्रीका के उप-सहारा क्षेत्रों में भूजल का संकट अपने चरम पर पहुँच गया है। जल संरक्षण और वैश्विक संसाधन प्रबंधन के दृष्टिकोण से यह प्रश्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: UN-Water Global Assessment Report, May 2026.

3. मौर्योत्तर काल के दौरान रचित प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य 'मनीमेखलई' के रचनाकार कौन हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: सत्तनार
व्याख्या: लगभग 1400 वर्ष पूर्व मदुरै के एक अनाज व्यापारी सत्तनार द्वारा 'मनीमेखलई' की रचना की गई थी। इस महाकाव्य में शिल्प्पादिकारम के नायक कोवलन और माधवी की पुत्री 'मनीमेखलई' के जीवन और उसके आध्यात्मिक सफर की कहानी का सुंदर वर्णन है। यह प्राचीन दक्षिण भारतीय इतिहास और बौद्ध दर्शन का एक महत्वपूर्ण साहित्यिक स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 11 Buildings, Paintings and Books, p. 118.

4. हमारे वायुमंडल की सबसे पहली और सबसे घनी परत कौन सी है, जिसमें वायुमंडल के कुल द्रव्यमान का लगभग 75% हिस्सा पाया जाता है? (पर्यावरण)
उत्तर: क्षोभमंडल (Troposphere)
व्याख्या: क्षोभमंडल वायुमंडल की सबसे निचली परत है, जिसकी औसत ऊँचाई लगभग 13 किलोमीटर है। मानव जीवन के लिए यह परत सर्वाधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि हम इसी मंडल में मौजूद वायु में सांस लेते हैं। कोहरा, बादल, ओलावृष्टि और चक्रवात जैसी मौसम की लगभग सभी घटनाएँ इसी परत के भीतर घटित होती हैं।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 21.

5. प्राचीन भारत में लगभग 2000 वर्ष पूर्व रोम साम्राज्य को निर्यात किए जाने वाले भारतीय सामानों में किस विशिष्ट मसाले की मांग सर्वाधिक थी, जिसे रोम में 'काला सोना' कहा जाता था? (इतिहास)
उत्तर: काली मिर्च (Black Pepper)
व्याख्या: प्राचीन काल में दक्षिण भारत मसालों, कीमती पत्थरों और विशेष रूप से 'काली मिर्च' के उत्पादन के लिए पूरे विश्व में विख्यात था। रोमन साम्राज्य में भारतीय काली मिर्च की मांग इतनी अधिक थी कि इसे 'काले सोने' (Black Gold) के नाम से पुकारा जाता था और इसके बदले भारत को भारी मात्रा में रोमन सोने के सिक्के प्राप्त होते थे।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 91.

"सामान्य-ज्ञान"

6. जब आर्द्रता (Humidity) ऊपर उठकर ठंडी होती है, तो जलवाष्प के संघनित होकर छोटी-छोटी जल की बूंदों के रूप में हवा में तैरने वाले समूह को भूगोल में क्या कहते हैं? (भूगोल)
उत्तर: बादल (Clouds)
व्याख्या: बादल केवल जल की बूंदों का एक तैरता हुआ समूह होते हैं। जब जलवाष्प हवा में ऊपर उठती है, तो तापमान कम होने के कारण यह ठंडी होकर संघनित (Condense) होने लगती है और पानी की नन्हीं बूंदें बनाती है। जब जल की ये बूंदें इतनी भारी हो जाती हैं कि हवा में तैर न सकें, तब ये 'वर्षा' (Precipitation) के रूप में नीचे गिरती हैं।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 26.

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 25' देश के प्रत्येक नागरिक को अंतःकरण की स्वतंत्रता के साथ-साथ कौन सा महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार प्रदान करता है? (संविधान)
उत्तर: धार्मिक स्वतंत्रता (Right to Religion)
व्याख्या: अनुच्छेद 25 के अनुसार, भारत के सभी नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने, उसका आचरण करने और उसका प्रचार-प्रसार करने का पूर्ण मौलिक अधिकार प्राप्त है। यह अधिकार भारतीय धर्मनिरपेक्षता (Secularism) का मुख्य आधार स्तंभ है, जो समाज में धार्मिक सद्भाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुरक्षित रखता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 36.

8. मानव शरीर के भीतर बनने वाले हानिकारक 'अमोनिया' को कम विषैले 'यूरिया' में बदलने का मुख्य कार्य किस अंग का है? (विज्ञान)
उत्तर: यकृत (Liver)
व्याख्या: हमारे शरीर में प्रोटीन के उपापचय (Metabolism) के दौरान अत्यंत विषैली अमोनिया गैस बनती है। हमारे शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि 'यकृत' (Liver) इस अमोनिया को तुरंत कम हानिकारक 'यूरिया' में बदल देती है। बाद में यह यूरिया रक्त के माध्यम से वृक्क (Kidney) तक पहुँचता है, जहाँ इसे छानकर मूत्र के रूप में बाहर निकाल दिया जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 11 Transportation in Animals and Plants, p. 126.

9. मौर्योत्तर काल में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए पत्थरों को काटकर बनाई गई 'कार्ले की गुफाएं' (Karle Caves) भारत के किस आधुनिक राज्य में स्थित हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: महाराष्ट्र
व्याख्या: महाराष्ट्र के लोनावला के निकट स्थित कार्ले की गुफाएं प्राचीन बौद्ध वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण हैं। यहाँ स्थित 'कार्ले का चैत्य' (प्रार्थना हॉल) भारत का सबसे बड़ा और सबसे सुंदर शैलकृत (Rock-cut) चैत्य माना जाता है, जिसमें भव्य नक्काशीदार खंभे और एक विशाल स्तूप बना है। इसका निर्माण मुख्य रूप से सातवाहन काल के दौरान हुआ था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 95.

10. बिहार के किस ऐतिहासिक जिले में प्राचीन काल के जैन धर्म के स्थापत्य और मूर्तिकला से जुड़ा सुप्रसिद्ध 'वैशाली का जैन स्तूप' स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: वैशाली
व्याख्या: वैशाली में स्थित यह प्राचीन टीला जैन धर्म के शुरुआती इतिहास की गवाही देता है। जैन परंपरा के अनुसार, वैशाली भगवान महावीर की जन्मस्थली (कुंडग्राम) होने के कारण एक परम पवित्र स्थल है। यहाँ से प्राप्त पुरातात्विक अवशेष और प्राचीन स्तूप की संरचना बिहार में जैन दर्शन और कला के गहरे ऐतिहासिक प्रभाव को प्रमाणित करती है।
संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) / वैशाली जिला गजेटियर।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार कैलेंडर के अनुसार, भीषण गर्मी और लू (Heatwave) के दिनों में धूप से आने के तुरंत बाद शारीरिक अस्वस्थता से बचने के लिए क्या करने से सर्वथा बचना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)

उत्तर: तुरंत ठंडा पानी पीना

व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई सप्ताह-4 (लू से बचाव) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, कड़कती धूप या गर्म हवा से सीधे क्लासरूम या घर के अंदर आने के तुरंत बाद अत्यधिक ठंडा पानी (या फ्रिज का पानी) पीने से बचना चाहिए। तापमान में अचानक आने वाला यह तीव्र उतार-चढ़ाव शरीर के थर्मल संतुलन को बिगाड़ देता है, जिससे सर्दी-जुकाम, सिरदर्द और अचानक बेहोशी का खतरा बढ़ जाता है।

12. यदि किसी निश्चित तार्किक कूट में 'TEACH' को 'REACH' लिखा जाता है, और 'STUDY' को 'RTUDY' लिखा जाता है, तो उसी कूट नियम के आधार पर 'SMART' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)

उत्तर: RMART

व्याख्या: इस तार्किक पहेली को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि शब्द के केवल 'पहले अक्षर' को अंग्रेजी वर्णमाला में उसके ठीक पिछले अक्षर (-1) से बदला जा रहा है, जबकि बाकी सभी अक्षर अपनी जगह पूरी तरह अपरिवर्तित रहते हैं। जैसे: T-1=R (REACH), और S-1=R (RTUDY)। इसी नियम के अनुसार, SMART का पहला अक्षर S-1=R होगा और बाकी शब्द यथावत रहेगा, जिससे 'RMART' प्राप्त होगा। यह रीजनिंग बच्चों की सूक्ष्म अवलोकन क्षमता को सुदृढ़ करती है।

संदर्भ: Mental Ability and Logical Reasoning Core Modules (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

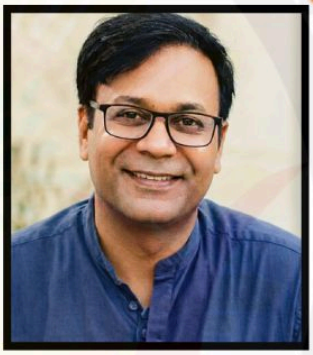

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Nurture (नर्चर) = Care / Develop (केयर / डेवलप) = पालन-पोषण करना / विकसित करना

🔁 Antonym – Neglect (नेग्लेक्ट) = उपेक्षा करना

Optimistic (ऑप्टिमिस्टिक) = Hopeful / Positive (होपफुल / पॉज़िटिव) = आशावादी

🔁 Antonym – Pessimistic (पेसिमिस्टिक) = निराशावादी

Persistent (परसिस्टेंट) = Determined / Continuous (डिटरमाइंड / कंटीन्युअस) = दृढ़ / लगातार

🔁 Antonym – Irregular (इरेगुलर) = अनियमित

Radiant (रेडियंट) = Bright / Glowing (ब्राइट / ग्लोइंग) = चमकदार

🔁 Antonym – Dull (डल) = फीका

Serene (सरीन) = Calm / Peaceful (कॉल्म / पीसफुल) = शांत

🔁 Antonym – Agitated (एजिटेटेड) = व्याकुल

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Mausam 2.0'; IMD deploys India's first Supercomputing AI-Grid for hyper-local lightning predictions.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-मौसम 2.0' की शुरुआत की; भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश का पहला सुपरकंप्यूटिंग एआई-ग्रिड तैनात किया है, जो ग्रामीण स्तर पर 30 मिनट पहले बिजली गिरने (Lightning) और ओलावृष्टि की सटीक चेतावनी जारी करेगा।

Ministry of New and Renewable Energy achieves 200GW Solar Capacity milestone; Rajasthan and Gujarat lead the national clean energy transition.
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने देश में 200GW सौर ऊर्जा क्षमता का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया; ग्रिड को पूरी तरह हरित बनाने की दिशा में राजस्थान और गुजरात ने अग्रणी राज्य के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

Supreme Court mandates 'Digital Sign-Language Interpreters' across all e-Courts to ensure accessible justice for hearing-impaired citizens.
सुप्रीम कोर्ट ने सभी ई-कोर्ट्स (e-Courts) और वर्चुअल कानूनी सुनवाई में 'डिजिटल सांकेतिक भाषा दुभाषिए' (AI-powered Sign-Language Interpreters) की उपस्थिति अनिवार्य की; दिव्यांग नागरिकों के लिए न्यायिक पहुंच को आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम।

INTERNATIONAL NEWS

United Nations adopts 'The Global E-Waste Mitigation Accord'; mandates tech manufacturers to provide 10-year repair support for electronics.
संयुक्त राष्ट्र ने 'वैश्विक ई-कचरा शमन समझौता' अपनाया; दुनिया भर के इलेक्ट्रॉनिक और स्मार्टफोन निर्माताओं के लिए अब अपने उपकरणों पर कम से कम 10 साल का रिपेयर और सॉफ्टवेयर सपोर्ट देना अनिवार्य होगा ताकि कचरा कम किया जा सके।

BBC News: Oxford and Harvard researchers successfully map the entire 'Human Brain Synapse Network' using advanced quantum imaging.
बीबीसी न्यूज़: ऑक्सफोर्ड और हार्वर्ड के वैज्ञानिकों ने क्वांटम इमेजिंग तकनीक का उपयोग करके मानव मस्तिष्क के पूरे 'सिनैप्स नेटवर्क' (कोशिकाओं के आपसी संपर्क का नक्शा) को 3D में मैप करने में सफलता हासिल की; अल्जाइमर और न्यूरो विकारों के इलाज में मिलेगी मदद।

WHO pre-qualifies 'Leish-Shield', the world's first highly effective non-invasive nasal spray vaccine against Kala-Azar (Leishmaniasis).
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कालाजार के खिलाफ दुनिया के पहले अत्यधिक प्रभावी और सुई-मुक्त नेज़ल स्प्रे (नाक से दिए जाने वाले) टीके 'लैश-शील्ड' को वैश्विक वितरण के लिए मंजूरी दी।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Climate Resilience Centre' in Bhagalpur to mitigate agricultural risks in the Gangetic basin.
बिहार सरकार गंगा के मैदानी इलाकों में कृषि जोखिमों को कम करने के लिए भागलपुर में 'जलवायु लचीलापन केंद्र' स्थापित करेगी; BPSC हेतु महत्वपूर्ण।

SCERT Bihar launches 'Shikshak Samvad 2026' to provide digital pedagogical support to 2 lakh teachers via AI-based app.
एससीईआरटी बिहार ने एआई-आधारित ऐप के माध्यम से 2 लाख शिक्षकों को डिजिटल शिक्षण सहायता प्रदान करने हेतु 'शिक्षक संवाद 2026' शुरू किया।

SPORTS NEWS

India secures Silver Medal at Asian Athletics Grand Prix 2026; Neeraj Chopra sets new meet record in Javelin Throw.
भारत ने एशियाई एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में रजत पदक जीता; नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में नया 'मीट रिकॉर्ड' बनाया।

Ministry of Youth Affairs and Sports launches 'Khelo India University Games 2026' schedule; focus on scientific talent scouting.
युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2026' के कार्यक्रम की घोषणा की; वैज्ञानिक प्रतिभा खोज पर विशेष ध्यान।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"एवरेस्ट से ऊँचा हौसला"

(अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज मालती मैडम बच्चों को दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट के बारे में बता रही थीं। उन्होंने कहा कि 29 मई 1953 को न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और नेपाल के तेनजिंग नोर्गे शेरपा ने पहली बार माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर इतिहास रच दिया था।

अजय आश्चर्य से बोला—

"मैडम, इतनी ऊँची और बर्फ से ढकी पहाड़ी पर चढ़ना कितना कठिन रहा होगा!"

मालती मैडम मुस्कुराईं—

"हाँ बेटा, रास्ता बहुत कठिन था। तेज ठंड, बर्फीले तूफान और ऑक्सीजन की कमी जैसी कई चुनौतियाँ थीं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।"

फिर उन्होंने बच्चों से पूछा— "बताओ, उन्हें सफलता कैसे मिली?"

सीमा ने कहा— "मेहनत और साहस से।"

मालती मैडम ने समझाया—"बिल्कुल। बड़ी सफलता अचानक नहीं मिलती। उसके पीछे वर्षों की तैयारी, अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास होता है।"

अजय ध्यान से सुन रहा था। उसे याद आया कि वह गणित के कठिन सवालों से डरकर जल्दी हार मान लेता था।

मालती मैडम ने आगे कहा—

"बच्चों, हर किसी का अपना 'एवरेस्ट' होता है। किसी के लिए पढ़ाई कठिन होती है, किसी के लिए खेल, तो किसी के लिए जीवन की परेशानियाँ। लेकिन जो लगातार प्रयास करता है, वह एक दिन अपनी मंजिल तक जरूर पहुँचता है।"

उस दिन अजय ने निश्चय किया कि अब वह कठिनाइयों से डरकर पीछे नहीं हटेगा।

सभी बच्चों ने एक स्वर में कहा—"हम मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे।"

संदेश : "दुनिया की सबसे ऊँची चोटी भी उस इंसान के आगे छोटी पड़ जाती है, जिसके हौसले ऊँचे हों।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियों का गृह कार्य कैसे दें?

प्रारंभिक विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियों का गृह कार्य (हॉलिडे होमवर्क) देना एक अत्यंत महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रक्रिया है। अक्सर विभाग के निर्देशों पर या शिक्षकों के व्यक्तिगत प्रयासों से बच्चों के लिए गृह कार्य तय तो कर दिया जाता है, परंतु उसे तैयार करने का सही तरीका और वास्तविक उद्देश्य शायद हमें ओझल नजर आता है या हम उस पर गहराई से विचार नहीं करना चाहते। फलतः, काफी जद्दोजहद के बाद बच्चों को थमाया गया गृह कार्य छुट्टियों के बाद केवल एक 'कागजी बोझ' या कबाड़ की तरह नजर आता है, जिसे बच्चे बिना मन के, जैसे-तैसे पन्ने भरकर जमा कर देते हैं।

लंबी छुट्टियों के दौरान बच्चों के सीखने की गति थमे नहीं और शिक्षा में निरंतरता बनी रहे, इसके लिए समय-समय पर रचनात्मक गृह कार्य की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। बच्चों को तनावमुक्त रखते हुए उन्हें ज्ञान से जोड़े रखने के लिए हम निम्नलिखित व्यवस्था कर सकते हैं:

अधिकांश विद्यालयों में छात्र गृह कार्य को केवल रटने या नकल करने का जरिया मान लेते हैं। अतः छात्रों को इस यांत्रिक ढर्रे से बचाते हुए शिक्षकों को ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए कि गृह कार्य पूरी तरह से गतिविधि, अनुभव और व्यावहारिक समझ पर आधारित हो, न कि केवल किताबी बोझ।

यदि किसी बच्चे का बुनियादी आधार (जैसे अक्षर-ज्ञान, मात्राएँ या गणितीय संक्रियाएँ) थोड़ा कमजोर पड़ रहा हो, तो तुरंत उसके स्तर के अनुसार सुधारात्मक और उपचारात्मक (Remedial) कार्य देने चाहिए। यदि गृह कार्य में कोई प्रोजेक्ट या क्राफ्ट शामिल हो, तो विद्यालय बंद होने से पहले ही कक्षा में उसकी बारीकियों को प्रायोगिक तौर पर समझा देना चाहिए। छात्रों में रटने के बजाय अपने आस-पास के वातावरण, पेड़-पौधों और स्थानीय भूगोल को देखकर सीखने की आदत डालनी चाहिए। साथ ही, शिक्षक को ऐसी व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी चाहिए कि छुट्टियों के दौरान हर वर्ग के अभिभावकों से किसी न किसी माध्यम से संपर्क रहे, ताकि वे बच्चों की घरेलू निगरानी की जिम्मेदारी उठा सकें।

शिक्षक जिस भी पाठ्य-सामग्री या गतिविधि का चयन कर रहे हों, वे बच्चों के मानसिक स्तर के अनुकूल और मनोरंजक होनी चाहिए। गृह कार्य में किताबी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्य और व्यावहारिक जीवन भी शामिल होना चाहिए—जैसे प्रतिदिन पौधों में पानी देना, पक्षियों के लिए दाना-पानी रखना या बड़ों की मदद करना, ताकि उनमें संवेदनशीलता बढ़े। बच्चों को तेज धूप में बाहर लू की चपेट में आने से बचाने के लिए दोपहर के समय घर के भीतर ही बैठकर पढ़ने, चित्रकारी करने या रचनात्मक कहानियां गढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि बच्चों के लेखन में सुधार की आवश्यकता हो, तो प्रतिदिन एक पृष्ठ सुंदर और शुद्ध सुलेख का अभ्यास अनिवार्य रूप से जोड़ना चाहिए।

कक्षा में छुट्टियों से ठीक पहले बच्चों को इस गृह कार्य की महत्ता और उपयोगिता को प्यार से समझाना चाहिए। विद्यालय के छात्रों के बीच स्वच्छता, पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करने वाले छोटे-छोटे घरेलू क्रियाकलाप आयोजित किए जाने चाहिए, जिसे वे छुट्टियों में पूरा कर सकें।

सभी तरह के गृह कार्य का एक स्पष्ट ब्लूप्रिंट शिक्षक डायरी या योजना पंजी में दर्ज होना चाहिए। साथ ही किस कक्षा के किस छात्र को उसकी क्षमता के अनुसार क्या कार्य आवंटित किया गया है, इसका रिकॉर्ड रखना चाहिए ताकि छुट्टियां समाप्त होने पर विद्यालय खुलने के बाद उसका सटीक मूल्यांकन और प्रविष्टि की जा सके।

बच्चों के गृह कार्य में जहाँ भी कमियाँ या अशुद्धियाँ दिखें, विद्यालय खुलने के तुरंत बाद ससमय उसकी सघन जांच कर सुधारात्मक फीडबैक दिया जाना चाहिए। छोटे बच्चों (कक्षा 1 से 3) के लिए पूरी तरह से रंगीन, चित्रों से भरपूर, सुरक्षित और खेल-आधारित कार्य (जैसे- पहेलियां, माचिस की तीलियों या मिट्टी के खिलौने बनाना) ही तैयार करने चाहिए। समय-समय पर उत्कृष्ट गृह कार्य करने वाले और छुट्टियों में बेहतर अनुशासन दिखाने वाले बच्चों को विद्यालय खुलने पर प्रार्थना सभा में पुरस्कृत करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

लंबी गर्मी छुट्टी हेतु जब विद्यालय बंद हो रहे हों, तब प्रत्येक बच्चे तक गृह कार्य की पहुंच, उसकी स्पष्ट समझ और अभिभावकों से समन्वय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उपरांत ही प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को संतोष के साथ विद्यालय परिसर से बाहर निकलना चाहिए।

हमारे इन सभी सुविचारित उपायों से ही बच्चों का अवकाश ज्ञानवर्धक, लंबे समय तक प्रभावी और उनके सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी बना रहता है।

तो आइए, हम सब मिलकर अपने-अपने प्रारंभिक विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियों के गृह कार्य की एक सुंदर, सुलभ और वैज्ञानिक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : सीतामढ़ी, अंक–5"

प्रशासन, परिवहन, शिक्षा और वर्तमान विकास परिदृश्य

'संपादकीय'

सीतामढ़ी उत्तर बिहार का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं सीमावर्ती जिला है। इसका मुख्यालय डुमरा में स्थित है, जबकि सीतामढ़ी नगर जिले का प्रमुख शहरी एवं व्यावसायिक केंद्र माना जाता है। प्रशासनिक दृष्टि से जिले में कई अनुमंडल और प्रखंड शामिल हैं, जिनमें बेलसंड, रीगा, बैरगनिया, सुरसंड, सोनबरसा, परिहार, बाजपट्टी और मेजरगंज विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

नेपाल सीमा से जुड़ा होने के कारण जिले का प्रशासनिक महत्व सामान्य जिलों की तुलना में अधिक माना जाता है। सीमा सुरक्षा, सीमा व्यापार, आव्रजन गतिविधियाँ तथा अंतरराष्ट्रीय आवाजाही यहाँ की प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित करती हैं। Bairgania भारत-नेपाल सीमा का महत्वपूर्ण प्रवेश बिंदु है, जहाँ सीमा पार आवागमन और व्यापारिक गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित होती हैं।

परिवहन की दृष्टि से सीतामढ़ी उत्तर बिहार के प्रमुख रेल नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। Sitamarhi Junction railway station से मुजफ्फरपुर, दरभंगा, रक्सौल, पटना और नेपाल सीमा की दिशा में रेल संपर्क उपलब्ध है। रक्सौल और जयनगर की ओर जाने वाले मार्गों के कारण यह क्षेत्र उत्तर बिहार के सीमावर्ती संपर्क तंत्र का हिस्सा बनता है।

सड़क परिवहन में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के माध्यम से सीतामढ़ी का संपर्क मुजफ्फरपुर, पटना, मधुबनी और दरभंगा से बना हुआ है। हालाँकि मानसून के दौरान कई ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क प्रभावित हो जाता है, विशेषकर वे क्षेत्र जो बागमती और अधवारा समूह की नदियों से प्रभावित हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में जिले में धीरे-धीरे विस्तार हुआ है। सरकारी विद्यालयों के साथ निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या भी बढ़ी है। सीतामढ़ी नगर और डुमरा क्षेत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्थानीय शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए पटना, दरभंगा, दिल्ली और अन्य शहरों की ओर जाते हैं।

महिला शिक्षा और विद्यालयी नामांकन में भी सुधार दर्ज किया गया है, हालाँकि ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक अवसंरचना और शिक्षकों की उपलब्धता अब भी चुनौती बनी हुई है। डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री का उपयोग हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जिले की प्रमुख संस्थाएँ हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मानसून के दौरान जलजनित रोग और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बड़ी चुनौती बन जाती है। टीकाकरण और मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सरकारी स्तर पर निरंतर अभियान चलाए जाते हैं।

जिले में बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी की स्थिति पहले की तुलना में बेहतर हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों तक मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाओं का विस्तार हुआ है। डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सरकारी सेवाओं का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। इससे स्थानीय व्यापार, बैंकिंग और प्रशासनिक कार्यों में परिवर्तन दिखाई देता है।

सीतामढ़ी पर्यटन की दृष्टि से भी संभावनाशील जिला माना जाता है। Janaki Mandir, पंथपाकर, हलेश्वर स्थान और अन्य धार्मिक स्थलों के कारण यहाँ धार्मिक पर्यटन की निरंतर संभावना बनी रहती है। नेपाल के Janakpur से सांस्कृतिक संपर्क इस पर्यटन क्षमता को और महत्वपूर्ण बनाता है।

वर्तमान समय में सीतामढ़ी एक ऐसे जिले के रूप में उभर रहा है, जहाँ पारंपरिक मिथिला संस्कृति, सीमावर्ती व्यापार, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और आधुनिक अवसंरचनात्मक परिवर्तन एक साथ दिखाई देते हैं। बाढ़, प्रवासन और संसाधन संबंधी चुनौतियों के बावजूद यह जिला उत्तर बिहार के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org